

रूपं UNĀDIS. 3, 28. 1) n. SIDDH. K. 249, a, 11. am Ende eines adj. comp. f. घ्रा: ई PAKĀR. 2, 6, 23 wohl fehlerhaft. a) äussere Erscheinung, sowohl Farbe (namentlich pl.) als Gestalt, Form AK. 1, 1, 4, 16. 7, 38. TRIK. 3, 3, 278. H. 1376. an. 2, 298. fg. MED. p. 9. fg. HALĀJ. 5, 79. VIČVA bei UĀGVAL. zu UNĀDIS. 3, 28. रूपं रूपं मधुवा बोधवीति माया: कृपावान-स्तन्वर्षं परि स्वाम् RV. 3, 53, 8. 6, 47, 18. घोषा इदं प्रविरे न रूपम् 10, 168, 4. नभो न रूपमरूपं वसना: 7, 97, 6. रूपा हरिता 10, 96, 3. कृत्वा, अर्जुना 21, 3. विश्वा रूपाणि हरिता कपोषि AV. 6, 20, 3. विश्वा रूपा-ण्योविशन् RV. 7, 53, 1. 8, 13, 13. 5, 81, 2. 10, 136, 4. 139, 3. 169, 3. पिता यत्सीमभि रूपैर्वासयत् 1, 160, 2. घ्रा नामभिर्मरुतो वन्ति विश्वाना रूपेभिः 5, 43, 10. रूपैरिषिंशुर्वनानि विश्वा 10, 110, 9. 184, 1. दिवि रूपमांसजत् hat dem Himmel seine Farbe gegeben 124, 7. लष्टा रूपेव तस्या 8, 91, 8. लष्टा रूपाणामीशे TBR. 1, 4, 3, 1. AV. 1, 22, 3. नाम रूपं च 11, 7, 1. BUĀG. P. 1, 3, 14. 8, 38. रूप, नामन्, कर्मन् ÇAT. Br. 14, 4, 4, 1. 11, 2, 3, 3. द्वे रूपे कृणुते राचमानः AV. 13, 2, 28. उद्यन्नश्मिना ततोषि विश्वा रूपाणि पुष्यसि 10. वस्तुं विश्वा रूपाणि विव्रतम् 14, 2, 30. उपबर्हणं ददाति रूपाणामवर्ह-ञ्चै Farben TBR. 1, 1, 10, 10. ये रूपाणि प्रतिमुञ्चमाना असुराः सतः स्व-धया चरन्ति Spukgestalten VS. 2, 30. Traumgestalten ÇAT. Br. 14, 7, 4, 14. चत्वारि चतुषो रूपाणि द्वे प्रुक्ते द्वे कृत्ते Farben TS. 5, 3, 4, 4. आ-त्मरूपे 6, 1, 1, 1. ज्योतिः पश्यति रूपाणि रूपं च बहुधा स्मृतम् । क्रुस्वो दीर्घस्तथा स्थूलश्चतुस्रो ऽनुवृतवान् (पुवृतवान् ed. Bomb.) ॥ प्रुक्तेः कृत्-स्तथा रक्ते नीले पीते ऽरूपास्तथा । कठिनश्चिह्नपाः सन्त्याः पिच्छिलो मृडदारुणाः ॥ एवं षोडशविस्तारो ज्योतीरूपगुणाः स्मृतः । MBu. 12, 6853. figg. M. 1, 77. 12, 98. Verz. d. Oxf. H. 104, b, 30. 223, a, No. 549. 226, a, No. 334. RĀĀ-TAR. 3, 375. BUĀG. P. 2, 2, 29. BHĀSHĀP. 2. 99. einer der fünf Skandha bei den Buddhisten BUAN. Intr. 311. H. 233. Sch. धूमं Farbe MBu. 7, 9621 = 13, 7510. नररूपेण in der Gestalt eines Mannes M. 7, 8. R. 3, 32, 14. Spr. 2525. 3271. BUĀG. P. 1, 7, 45. अर्थमनर्थरूपेण सा ददर्श R. GOBR. 2, 8, 33. नैता (स्त्रियः) रूपं परीक्षते das Aeußere eines Menschen Spr. 1647. विपर्यय M. 11, 48. तस्य दृष्टस्य तद्रूपं निप्रमत्तर-धीयत MBu. 3, 2619. 2621. 2804. रूपेण विकृतः R. 1, 1, 54. नहीदृशं ता-पमानां रूपं भवति कर्त्तुं चित् 9, 45. 36, 17. 2, 42, 12. ÇĀK. 113. VIKR. 9. ममेदमिति यो ब्रूयात्सो ऽनुयोष्यो यथाविधि । संवाद्य रूपसंब्यादीन्स्वामी तद्रूपमर्हति ॥ das Aussehen eines Gegenstandes M. 8, 31. fg. देशस्य R. 2, 93, 6. रूपं कर्त्तुं eine Gestalt annehmen, sich verwandeln in, mit eigenthümlicher Construction in der älteren Sprache: अश्वः श्वेतो रूपं कृत्वा sich in ein weisses Ross verwandelnd AIR. Ba. 6, 35. आखू रूपं कृत्वा TBR. 1, 1, 3, 3. TS. 5, 2, 5. 6, 1, 1, 1. आश्वं रूपं कृत्वा Nir. 12, 10. मृगवि-हंगानां कस्य रूपं करोम्यरुम् R. 5, 33, 29. स्त्रीरूपमद्भुतं कृत्वा MBu. 1, 1156. KATHĀS. 13, 143. 39, 175. नलरूपमकारि तैः 36, 269. स हि रूपाणि कुरुते विविधानि MBu. 13, 2270. कृत्वा रूपाण्यनेकशः R. 1, 28, 18. रूपं बहुरूपं कृत्वा 64, 7. 8. 5, 31, 28. MBu. 3, 2557. आत्मनः परमं रूपं चाकरो-न्मन्यकृति BRAHMA-P. in LA. (III) 53, 22. स्वं चैव रूपं कुर्वतु die eigene Gestalt annehmen MBu. 3, 2211. 2839. अस्यैव सर्वं रूपं भवाम seine Gestalt annehmen ÇAT. Br. 14, 4, 3, 32. भीमरूपं समास्थितः R. 5, 30, 18. रूपं पूर्णपाखा नाम्ना सदृशं प्रत्यपद्यत RAGH. 12, 38. रूपमन्यतस शिश्रिये KATHĀS. 18, 243. Lautform, Form eines Wortes: स्वं रूपं शब्दस्य P. 1, 1, 68. सर्वादीनि शब्दरूपाणि Schol. zu P. 1, 1, 27. देभेति रूपात्तरं बोध्यम्

SIDDH. K. zu P. 1, 2, 6. किमो रूपम् Vop. 23, 5. Am Ende eines adj. comp. यज्ञाय धृतरूपाय der eine Gestalt angenommen hatte BUĀG. P. 3, 19, 3. ein — Aeußeres habend, die Gestalt von — habend, in der Gestalt von — auftretend, das Aussehen von — habend, dem ähnlich H. 1462. मनोश्च-रूपा ein angenehmes Aeußeres habend R. 1, 9, 52. समत् ÇĀK. 190. अना-चारं von ungewöhnlichem Aussehen KAÇ. 117. वेश्या मूर्तिरूपाः Buhl- dirnen in der Gestalt von Muni R. 1, 8, 23. मातरूपे ममामित्रे voc. 2, 74, 7. पद्मादरूपा श्रीः MBu. 3, 14404. ब्राह्मणीरूपा KATHĀS. 16, 10. RĀĀ-TAR. 1, 35. BUĀG. P. 1, 19, 14. 5, 26, 20. PAKĀT. 238, 23. तं ह त्रिन्विंशतिरूपान-विज्ञातानिव दर्शयो चकार er zeigte ihm drei unbekannt bergähnliche Gegenstände TBR. 3, 10, 11, 4. इव रूपमपि किञ्चित् etwas flossähnliches ĀÇV. GRH. 1, 12, 6. KAÇ. 33. नदी 71. अग्निं R. 1, 63, 15. घनलं, केतुं VARĀH. BRU. S. 11, 3. अशोकं die Farbe des Açoka habend 37, 2. 54. 110. स एव शब्दस्तद्रूपो वाससो निव्यतामिव ein Laut, ähnlich dem von Kleidern, die gewaschen werden, MBu. 7, 8534. मृगतृप्तिं BUĀG. P. 7, 9. 23. दादरूपा धादरूपाश्च धातवः Wurzeln von der Lautform दा und धा Schol. zu P. 1, 1, 20. अञ्जूपो निपातः ein aus einem blossen Vocal bestehender Nip. zu 14. तस्याज्ञा हिंसाविरतिरूपा ein in der Form von — auf-tretender Befehl so v. a. der Befehl, der darin bestand, dass man — RĀĀ-TAR. 3, 80. मायया नामरूपाय erscheinend als BUĀG. P. 8, 14, 10. अस्य स्फुरणस्य फलं प्रियालिङ्गनरूपम् bestehend in Schol. zu ÇĀK. 13. राज्ञो ऽभिलाषरूपेण प्रथमकामावस्था zu 22. 26. 81, 4. वधदण्डं ताडनाद्यङ्गी-च्छेदरूपम् KULL. zu M. 8, 129. सीमारूपेषु ग्रामसंधिषु zu 261. मुनेरूपेण शकुन्तलरूपम् so v. a. nämlich —, das ist ÇĀK. Schol. zu ÇĀK. 41. Häu-fig in Zusammensetzung mit einem adj. oder partic., wobei nicht selten रूप als ganz überflüssig erscheint: घोरं ein imposantes Aussehen ha-bend M. 7, 121. आर्यं 10, 57. कुड्डो ऽप्यकुड्डरूपः MBu. 1, 5596. उन्मत्त-रूपा 3, 2514. प्रेतं HARIV. 4349. विरूपरूप MBu. 1, 5931. MĀRĀK. P. 69. 30. आकारादीन्दीर्घरूपान् = दीर्घान् RV. PRĀT. Einl. शातं Spr. 1114. व्रतरूपा (वाचं) 4698. वाचः पथ्यरूपाः MBu. 2, 2196. fg. सत्यं (वाक्य) R. 2, 37, 21. घोररूपाणि निमित्तानि BUĀG. P. 1, 14, 2. अग्रहानं MBu. 13, 1130. परमार्तं 2, 2250. प्रहृष्टं 3, 15654. हृष्टं 3, 7519. त्रस्तरूपं तु विज्ञाय जगतसर्वम् R. 1, 23, 5. अदृष्टरूपा (लना) bisher unbekannt 2, 33, 29. संपन्नं lecker 5, 14, 45. निखातरूपां गणेशप्रतिमाम् KATHĀS. 71, 60. ना-न्यदन्येन संसृष्टरूपं (संसृष्टं रूपं ed. Lois.) विक्रयमर्हति M. 8, 203. रगा-दिना स्थापितरूपम् (स्थगितरूपम् bei Lois.) KULL. zu M. 8, 203. विमृष्ट BUAN. Intr. 49. कात् ad ÇĀK. 19. शक्यं (so ist zu lesen und demnach zu übersetzen) Spr. 4908. अगम्यरूपा पृथिवी MBu. 9, 722. सकरूपा हि गुरुवो गर्भरूपेषु (= बालकेषु Comm.) UTTARĀR. 124, 8 (168, 3). आनन्दं so v. a. von Wonne erfüllt PRAÇNOP. 2, 10. Nach P. 5, 3, 66 (vgl. jedoch VĀRT.) und Vop. 7, 50 soll रूप als tonloses Suffix den vorangehenden Be-griff lobend hervorheben: पटुं recht geschickt, पचतिरूपम् er kocht gut. वैयाकरणरूपः ein ordentlicher Grammatiker Schol.: vgl. P. 8, 1, 57. Ver-halten eines fem. vor einem solchen रूप P. 6, 3, 35. 43. figg. Vop. 7, 49. — b) Bild, Bildniss: न चोदके निरीक्षते स्वं रूपम् M. 4, 38. लिखितं पठे । रूपं सुन्दरसेनस्य KATHĀS. 101, 101. स्थापयेदश रूपाणि WEBER, KRSHNĀG. 284. — c) eine schöne Gestalt, Schönheit TRIK. H. an. MED. VIČVA a. a. 0. नभो न रूपं त्रिमा मिनाति RV. 1, 71, 10. 2, 13, 3. 9, 63, 18. पद्मानाम् (nach